रात्रीक्लास ओमशांति शिवबाबा याद हैं? 9.2.68

सभी माशूक की याद में बैठे हो? अल्फ और बे की याद में बैठो तो भी ठीक है। बाप और वर्सा। फिर बहुत मीठे2 माल खावेंगे नई दुनियां में। बच्चे भी खुश होते हैं ;क्योंकि बेशुमार माल मिलते हैं। बाप भी खुश होते हैं। बच्चों को 21जन्मों लिए बेशुमार माल देते हैं। तुम सभी पर बृहस्पत की दशा चल रही है। तो कितनी खुशी होनी चाहिए। नहीं रहती है ;क्योंकि कुछ गड़बड़ है। पुरुषार्थ में कमी है। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। इसलिए नम्बरवार दशायें भी बैठी हैं। नहीं तो विवके कहते हैं जो बच्चे निश्चयबुद्धि हैं उनको क्या परवाह। बाप को कहना कि याद नहीं पड़ते हो कितनी मूर्खता है। बाप कहते हैं योग अक्षर छोड़ सिर्फ बाप की याद में रहो। फिर यह मुख से निकलेगा नहीं बाबा आपको भूल जाता हूं। लौकिक बाप को भी कोई ऐसे नहीं कहेंगे। यह वंडरफुल बात है बाप को बच्चे भूल जाते हैं। जिस याद से ही विकर्म विनाश होते हैं। बच्चे लिखते हैं बाबा कार्ड में क्या लिखें? पहले2 बात यह भी लिखना चाहिए यहां रचता और रचना की नालेज मिलेगी। आदि,मध्य,अंत को जान जावेंगे। बेहद के बाप और हद के बाप के वर्से में फर्क देखेंगे। वर्ल्ड गॉडफॉदर टीचर से वर्सा पावेंगे। सारी दुनियां 8/9वर्ष के अंदर दुःख से पार हो जावेगी। ऐसे2 लिखना है। तो रूची से आकर बेहद के बाप से वर्सा पा लेंगे। विश्व में शांति स्थापन करने वाला कैसे स्थापन कर रहे हैं। हर 5000वर्ष बाद करता ही आता है। ऐसी2 प्वाइंट डालनी है। ऐसी2 दिलचस्पी की बातें लिखनी हैं, जो वह आवें। तुम यह नालेज हर 5000वर्ष बाद यहां से ही लेकर जाते हो। और कोई जगह से न मिल सकेंगे। ऐसे2 कर भेज देना चाहिए। एकधर्म, एक राज्य स्थापन हो रही है। सतयुग में एक ही राज्य होता है। आयरन एज में फिर अनेक राज्य होते हैं। कहां भी प्रदर्शनी आदि हो तो ऐसी चिटकियां बांटनी चाहिए। ऐसी2 बातें सुनेंगे तो सब समझ जावेंगे। कोई भी बात रहेगी नहीं। ऐसी2 बातें लिखनी चाहिए जो उनको आने की कशिश हो। तुम कुछ भी नहीं जानते थे। अब इतना जानते हो जो कुछ और जानने की दरकार नहीं। फारेनर्स को ल0ना0 का स्टेटस नहीं पाना है। बाकी वर्ल्ड की हिस्ट्री–जॉग्राफी जानेंगे। जैसे बाप नालेजफुल है वैसे तुम भी मास्टर नालेजफुल बन जावेंगे। उंच ते उंच बनेंगे। मुक्ति–जीवनमुक्ति दोनों मिलेंगे। तुम बच्चों को भी यही धारण करना है। नालेज तो सेकेंड की है। यहां तुम नालेजफुल बनते हो और प्रारब्ध पावेंगे। फिर यह नालेज तुमको भूल जावेगी। इसलिए यह जन्म सबसे उत्तम है। अल्फ और बे जानने से उसमें सब आ जाता है। बाप नालेजफुल है। तुम उनके बच्चे हो तो बच्चों को भी वही नालेज मिलती है। मिलती सबको एकरस है। बाकी धारणा नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार होती है। तुमको भी नालेज का सार मिलता है। मिकीयत का भी सार मिल जाता है बच्चों को। बेहद के बाप से तुम क्या नहीं लेते हो। अशरीरी भी तुमको बनाया जाता है ;क्योंकि अब जाना है। तो सिखलाया जाता है अशरीरी बनो। बाप की याद में रहो। हम सतोप्रधान थे। अभी तमोप्रधान बने हैं। फिर सतोप्रधान बनना है। दैवीगुण धारण करनी है। शैतानी गुण निकालना है। ....है शैतानी दुनिया। तुम तैयारी कर रहे हो परिस्थानी दुनियां की। आसुरी कहो ,शैतानी कहो बात एक ही है। इस समय तुम ईश्वरीय सम्प्रदाय हो। फिर दैवी सम्प्रदाय बनेंगे। यह भी लिख सकते हो सुप्रीम सोल को आकर रियलाइज करो। अभी नासुप्रीम है उनको आकर कैसे सुप्रीम बनाते हैं सो आकर समझो। ऐसी बातें हो जो कोई पूछ न सके। समझा न सके। लौकिक कोई बात न हो। सभी संगमयुगी बातें हों। आज से 5000वर्ष पहले डीटी राज्य था। अभी फिर उस डीटी राज्य की स्थापना हो रही है इस विश्व में। सो आकर समझो। ऐसी2 बातें दिल अंदर घड़ी2 विचार–सागर–मंथन करने से बुद्धि (में) बैठेगा। बाप की महिमा भी अच्छी रीत लिखनी है। जिसको हम जानते हैं और हमारी ही प्रीत है। बाकी सभी की विपरीत बुद्धि है। अच्छा, रुहानी बच्चों को रुहानी बापदादा का यादप्यार, गुडनाइट। रुहानी बच्चों को रुहानी बाप का नमस्ते, नमस्ते। ओम।